शेरपुर वाले तेरी नजरे करम हो जाए
शामे गम अपनी भी
खुशियों की सहर हो जाए

1--बिगड़ी बन जाएगी और रंज भी मिट जाएगें
मेहरबानी जो तेरी हमपे अगर हो जाए

2--तेरी रहमत के दिलोजान से तलबगार है हम
और क्या चाहिये रहमत जो तेरी हो जाए

3--हम भी बन्दे है तेरे अपने कोई गैर नही
चाहे थोड़ा ही सही कुछ तो इधर हो जाए

Nijanand App